जैविक प्रौद्योगिक दीर्घा : इस आधुनिक प्रगतिशील तकनीकि को प्रकाश में लाने का एक प्रयास
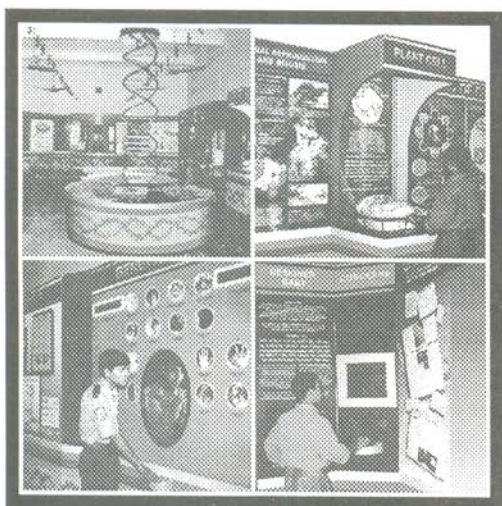
बिड़ला औद्योगिक एवं प्रौद्योगिक संग्रहालय
राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद,
19ए, गुरूसदय रोड, कलकत्ता - 700019

'जैविक' शब्द का उत्पत्ति हुआ है 'जीवन' से और 'प्रौद्योगिक' का अर्थ है विज्ञान के प्रयोग से तैयार किया गया वस्तु जो मानव-जीवन के हित में काम आए। फलतः 'जैविक प्रौद्योगिक' का तात्पर्य यह हुआ कि जीव के उत्पत्ति संबंधी तरीकों का रुपान्तर करके कुछ नई क्षमताओं या विशिष्ट गुणों का जन्म जिससे मानव समाज को लाभ हो। इस आधुनिक प्रगतिशील तकनीकि का उपयोग मानव हज़ार वर्ष पूर्व से करता आ रहा है। बिना समझे, बिना जाने मनुष्य जीवाणुओं का उपयोग करके रोटी, बीयर, दही, पनीर, अचार बनाता रहा, पर आज जैविक प्रौद्योगिकी के सहारे हमारे पास कई प्रक्रियायें हैं जिससे अणुजीवि क्रिया को नियंत्रित करके खाद्य पदार्थ, औषधि, इत्यादि का औद्योगिक एवं व्यापारिक निर्माण कर सकते हैं।

यह जैविक प्रौद्योगिक दीर्घा जैविक प्रौद्योगिक क्रांति का एक नमूना प्रदर्शित करता है जहाँ सरल एवं सहज माध्यमों से जन साधारण के सामने यह विषय पेश किया गया है। विज्ञान के साथ-साथ दर्शकों को यहाँ मनोरंजन भी प्राप्त होता है।

यह दीर्घा आरंभ होता है **कोशिका** से, जो जीवन का मूल मात्रक है। इस विभाग में कोशिका एवं उसके क्रिया को विभिन्न प्रदर्शों से दर्शाया गया है।

जीवन का प्रतिलिपि, **डी.एन.ए.** को पहचानिए और उसके आकार की रचना को जानिए। यहीं पर आपकी भेंट **अनुवंशिकी के पिता, ग्रीगर जोहान् मेण्डल** से होगा। नज़र डालिए **पाचक रसों** पर जो खाद्य पदार्थों के अलावा **अनुवंशिकी इंजीनियरीग** में काम आती हैं। जीन क्रम विधि की जानकारी आप मानव **जीनोम विभाग** में प्राप्त कर सकते हैं। अंततः अनु वंशिकी इंजीनियरीग का उपयोग खाद्य, कृषि, औषधि एवं औषधि निर्माण उद्योग तथा इंजीनियरीग क्षेत्र में किस प्रकार होता है, इसको **प्रयोगिक विभाग** में दर्शाया गया है।

यहाँ आप पा सकते हैं एक **विशाल अंडा** जो **एक कोशिका** को दर्शाता है। इसके अंदर जाकर आप कोशिका के विभिन्न अंगों के बारे में जानें।

भारत के प्रमुख जैविक प्रौद्योगिक अनुसंधानों के विषय में भी आप यहाँ जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। **जैविक प्रौद्योगिकी का इतिहास** - यह विभाग कालक्रम के अनुसार इस विषय के विकास की एक झलक पेश करता है।

अपने ज्ञान की वृद्धि करें **माल्टिमीडिया जीव प्रश्नोत्तरी** विभाग में और **जीव दर्शनालय : एक वीडियो शो** में भविष्य में आनेवाली सुविधाओं का एक नज़ारा देखें।

और सफर के अंत में चिन्ताएँ विभाग में अपना मत देना न भूलें, जैसे, 'जैविक प्रौद्योगिक एकवरदान या एक अभिशाप।'

विशेष आकर्षण

कोशिका - जीवन का मूल मात्रक
अनुवंशिकी और पाचक रस
मानव जीनम क्रम
अंडा रुपी कोशिका
माल्टिमीडिया जीव प्रश्नोत्तरी
जीव दर्शनालय - एक वीडियो शो
जैविक प्रद्योगिकी उपयोग
भारत में जैविक प्रौद्योगिक
जैविक प्रौद्योगिक का इतिहास
चिन्ताएँ एवं विचार

साधारण जानकारी

संग्रहालय प्रति दिन प्रातः १० बजे से सायं ५.३० बजे तक खुला रहेगा (सिवा दोलयात्रा एवं कालीपूजा)

उद्घाटन समारोह सोमवार, २२ दिसम्बर, २००३.
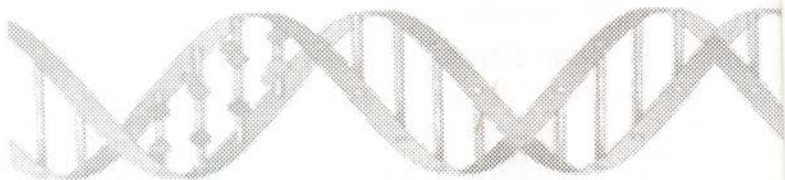
बिड़ला औद्योगिक एवं प्रौद्योगिक संग्रहालय

राष्ट्रीय विज्ञान सग्रहालय परिषद,
19ए, गुरूसदय गेड, कलकत्ता - 700019
दूरभाष- 22477241, 42/43,टेलिफैक्स- 22476102,
इमेल-bitm@ cal2.vsnl.net.in
वेबसाइट- www.bitmcal.org